हिसाब में 220 किलोवाट का बीबीएमबी स्टेशन

2053. **श्री रामजीलाल :** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हिसार में 220 के.वी. बीबीएमबी सब-स्टेशन (जिंदल मैटल सब-स्टेशन) में लम्बे समय से 48 सी/एस फीडर लमी हुई हैं,

(ख) क्या यह भी सच है कि निम्र बारंबारता (लो-फ्रीक्वेंसी) के कारण यहां प्रायः ट्रिपिंग होती रहती है जिसके कारण स्थानीय लोगों मे असंतोष हैं,

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार इस फीडर को 48 सी/एस करेगी अथवा इसे चक्रावर्तन में अन्य फीडर के साथ डालेगी, और

(घ) यदि हां, तो कब तक?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा. एस. वेणुगोपालाचारी) : (क) से (घ) निम्र प्रायिकता (फ्रीक्वेंसी) के तहत 33 कि.वो. जिन्दल मेटल उप-केन्द्र फीडर समेत विभिन्न फीडरों की ट्रिपिंग के लिए हिसार में भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड बी.वी.एम.बी. के 220 कि.वो. उप-केन्द्र में अन्दर फ्रीक्वेंसी रेलें प्रतिष्ठापित किया हुआ है। जिन्दल मेटल उप-केन्द्र के अन्दर फ्रीक्वेसी का वर्तमान विन्यास 48 चक्र प्रति सैंकिड है। जब ग्रिड में प्रणाली फ्रीक्वेंसी निम्र हो जाती है । तब उप-केन्द्र में ट्रिपिन्ग हो जाती है । ग्रिड की सुरक्षा के हित में रिले के विन्यास को कम करने, 47.8 हट्र्ज करना व्यवहार्थ नहीं है। 10 फरवरी, 1997 से वी.बी.एम. बी. के जिन्दल मेटल उप-केन्द्र में फीडर की हस्तचालित ट्रिपिंग को कार्यान्वित किया हुआ है।

Clearance of Proposals for Foreign Investment In Power Sector

2054. PROF. RAM KAPSE: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the Cabinet Committee on Foreign Investment (GCFI) has cleared three proposals in the power sector, envisaging a foreign investment of more than two billion dollars; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (DR. S. VENUGOPALACHARI): (a) and (b) Govemment of India, in January, 1997, has approved the following three foreign equity proposals relating to power projects to be set up by generating companies. These projects envisage inflow of foreign currency (including foreign debt as well as foreign equity) of more than two billion US dollars, as given below:

SI.No.	Name of the Company	Total Foreign Component [In US$ billion (approx.)]
1.	M/s. Central India Power Co. Ltd. M/s.	1.207 (0.444)
2.	Kalinga Power Corpn. Ltd. M/s. GMR	0.708 (0.236)
3.	Vasavi Power Corpn. Ltd.	0.172 (0.062)
	Total	2.087 (0.742)

Figures in brackets indicate the foreign equity approved

Saving electricity by energy efficiency and demand side management

2055. DR. D. VENKATESHWAR RAO: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the power sector can save upto 6.29% of the total demand for electricity by 1996-97 and upto 8.24% by 2011-12, with adoption of energy efficiency and demand side management;

{h) if so, whether Govemment have examined the study report in this regard prepared by the Tata Research Institute and the Canadian Research Institute; if so, to what -extent: and

(c) the main features of these reports?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (DR. S. VENUGOPALACHARI): (a) to (c) The study report prepared by the Tata Energy Research Institute and the Canadian